भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

15.12.2021 के

अतारांकित प्रश्न सं. 2846 का उत्तर

तिरुपति रेलवे स्टेशन का विकास

2846. श्री मद्दीला गुरूमूर्ति:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सबसे व्यस्ततम स्टेशनों में से एक तिरुपति रेलवे स्टेशन के विकास के लिए सरकार की क्या कार्य योजना है;

(ख) क्या सरकार ट्रेनों की संख्या बढ़ाने तथा पर्यटकों को सुरक्षा, सुगम और आरामदेह यात्रा की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए सुरक्षा उपाय करने की योजना बना रही है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ) क्या इसके महत्व को ध्यान में रखते हुए तिरुपति को सेंट्रिक ट्रैक डिवीजन बनाने के लिए सरकार ने कोई योजना बनाई है;

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) तिरुपति रेलवे स्टेशन के इस संबंध में क्या कोई सर्वे किया गया है?

उत्तर

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (च): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

S.K

तिरुपति रेलवे स्टेशन का विकास के संबंध में 15.12.2021 को लोक सभा में श्री मद्दीला गुरूमूर्ति के अतारांकित प्रश्न सं. 2846 के भाग (क) से (च) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क): तिरुपति एक अनुपनगरीय ग्रेड 2 कोटि का रेलवे स्टेशन है। स्टेशन को मॉडल और आधुनिक स्टेशन योजनाओं के तहत विकसित किया गया है। पिछले तीन वर्षों में, तिरुपति रेलवे स्टेशन पर निम्नलिखित कार्य पूरे किए गए हैं:

- **प्लेटफार्म संख्या 6 की लंबाई बढ़ाकर 580 मीटर की गई।**
- **छत और फर्श सहित 6 मीटर चौड़े स्टील एफओबी के साथ आरसीसी फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) का विस्तार।**
- **प्लेटफॉर्म संख्या 6 पर 320 मीटर कुल लंबाई के 3 अदद कवर ओवर प्लेटफॉर्म की व्यवस्था**
- **बेहतर फ्लोरिंग के साथ मौजूदा स्टील एफओबी में सुधार।**
- **स्टेशन के दक्षिण की ओर 125 मी. x 30 मी. आकार की पार्किंग सुविधाएं विकसित की गईं।**

इसके अतिरिक्त, भारतीय रेल में स्टेशनों का उन्नयन/आधुनिकीकरण सतत और जारी रहने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्य, पारस्परिक प्राथमिकता और निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन आवश्यकतानुसार किए जाते हैं। बहरहाल, कार्य की स्वीकृति देते और निष्पादित करते हुए स्टेशनों की निम्नतर कोटि के मुकाबले उच्चतर कोटि के स्टेशनों को स्टेशनों के उन्नयन/आधुनिकीकरण के लिए प्राथमिकता दी जाती है।

(ख) और (ग): तिरुपति/रेनिगुंटा प्रमुख शहरों जैसे दिल्ली, कोलकाता, जम्मू तवी, चेन्नई, पटना, गुवाहाटी, टाटानगर, भुवनेश्वर, सिकंदराबाद, बेंगलुरु, अहमदाबाद आदि से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। वर्तमान में, तिरुपति से नई गाड़ियां चलाना परिचालनिक और संसाधनों की तंगियों के कारण व्यावहारिक नहीं है। बहरहाल, परिचालनिक व्यवहार्यता, यातायात की मांग और संसाधनों की उपलब्धता के अध्यधीन भारतीय रेल में नई गाड़ियां चलाना एक सतत प्रक्रिया है।

बहरहाल, स्टेशनों पर विभिन्न सुरक्षा उपायों की योजना बनाई गई है जैसे:-

i. **तिरुपति स्टेशन के यात्रियों और यात्री क्षेत्र की सुरक्षा के लिए आरपीएफ कर्मचारी चौबीसों घंटे तैनात किए जा रहे हैं।**
ii. **संदिग्ध व्यक्तियों पर कड़ी नजर रखने के लिए स्टेशन में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।**
iii. **यात्रियों से जुड़े अपराध को रोकने और उनका पता लगाने के लिए सीपीडीएस की टीमों का गठन किया गया है।**

S.K

iv. यात्रियों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए जीआरपी/स्थानीय पुलिस के साथ समन्वय बनाए रखा जा रहा है।

v. स्टेशन परिसरों के साथ-साथ महत्वपूर्ण गाड़ियों के आगमन के समय गश्त के लिए खोजी कुत्तों का उपयोग किया जा रहा है।

vi. चिह्नित स्थानों पर आरपीएफ कर्मियों के अलावा होमगार्डों का उपयोग किया जा रहा है।

vii. स्टेशनों में स्पॉट पर तेजी से पहुंचने के लिए सेगवे का इस्तेमाल किया जा रहा है।

viii. महिला यात्रियों की संरक्षा व सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्टेशन पर और ट्रेन एस्कॉर्ट ड्यूटी के लिए महिला आरपीएफ कर्मचारियों को तैनात किया जाता है।

ix. नेकबैंड और स्टेशन पीए सिस्टम के माध्यम से लगातार घोषणाएं और सुरक्षा अलर्ट के साथ-साथ यात्रियों को संवेदनशील बनाने के लिए यात्री जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

x. स्टेशन परिसर में अनधिकृत व्यक्तियों के प्रवेश को रोकने के लिए अनधिकृत प्रवेश / निकास बंद कर दिए गए हैं।

(घ): जी नहीं।

(ङ) और (च): प्रश्न नहीं उठता।

******

S.K